

प्रेषक,

डॉ० पंकज कुमार पाण्डेय,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
चिकित्सा शिक्षा विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।
चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक ०१ अगस्त, 2016।

विषय:-

वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक में राजस्व पक्ष (नर्सिंग शिक्षा से संबंधित) के अन्तर्गत प्राविधानित बजट की वित्तीय स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-847/XXVII(1)/2016 दिनांक 26 जुलाई, 2016 (प्रति संलग्न) में दिये गये दिशा-निर्देशों के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-12 के अन्तर्गत राजस्व पक्ष की आयोजनागत मदों में प्राविधानित बजट में से संलग्न विवरणानुसार ₹ 5,93,51,000.00 (पांच करोड़ तिरानवे लाख इक्यावन हजार मात्र) आपके निवर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबंधों/शर्तों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

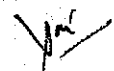
- उत्तराखण्ड शासन, वित्त विभाग -1 के शासनादेश संख्या- 183/XXVII(1)/2012 दिनांक 28 मार्च 2012 तथा तदक्रम में समय-समय पर निर्गत अन्य आदेशों के अधीन साफ्टवेयर से केन्द्रीय स्तर पर एक विशिष्ट नम्बर प्राप्त करा लिया जाये। बिना इस विशिष्ट नम्बर के किसी भी आदेश के आधार पर कोई आहरण एवं व्यय नहीं किया जायेगा।
- वचनबद्ध मदों की धनराशि का आहरण एवं व्यय मासिक आधार पर किश्तों में वास्तविक आवश्यकतानुरूप ही किया जायेगा एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी और न ही अधिक व्ययभार सृजित किया जायेगा।
- यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि मजदूरी तथा व्यावसायिक सेवाओं के लिए भुगतान मदों के अन्तर्गत आउटसोर्सिंग से कार्मिकों की संख्या सम्बन्धित इकाई में सक्षम स्तर के स्वीकृत परन्तु रिक्त पदों की अधिकतम सीमा अन्तर्गत अथवा वित्त विभाग की पूर्व सहमति से स्वीकृत सीमा, इनमें से जो भी कम हो, के अन्तर्गत ही रहेगी।
- अवचनबद्ध मदों के अन्तर्गत आहरण एवं व्यय किश्तों में वास्तविक व्यय आवश्यकता के आधार पर ही किया जायेगा तथा अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी एवं न ही अधिक व्यय भार सृजित किया जायेगा। अवचनबद्ध मदों के सम्बन्ध में मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जायेगा और यह सुनिश्चित किया जायेगा कि वर्ष के प्रारम्भ में ही प्रत्येक मद के सम्बन्ध में मितव्ययता हेतु स्पष्ट योजना बना ली जायेगी और तदनुसार प्रत्येक मद के सम्बन्ध में प्राविधानित आवंटित धनराशि के सापेक्ष बचत का लक्ष्य पूर्व में ही निर्धारित कर बचत सुनिश्चित की जायेगी।

- v. अधिष्ठान संबंधी जिन मदों में विशेषकर अवचनवद्ध मदों में विगत सापेक्ष किसी मुद्रण त्रुटि अथवा अन्य कारण से बजट प्राविधान में अप्रत्याशित एवं अत्याधिक वृद्धि (औसत 25 प्रतिशत से अधिक) हुई हो उन प्रकरणों में व्यय शासन की पूर्व अनुमति से ही किया जाय।
- vi. मानक मद 20-सहायक अनुदान/अशदान/राज सहायता तथा मानक मद 42-अन्य व्यय के अन्तर्गत धनावंटन शासन में प्रस्ताव प्राप्त होने पर वित्त विभाग की सहमति से किया जाय।
- vii. बजट प्राविधान किसी भी लेखाशीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है। अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्ययभार/दायित्व सृजित किया जाय।
- viii. व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा वित्तीय स्वीकृति सक्षम स्तर से प्राप्त की जाय। निर्माण कार्य पर अनुमोदित लागत से अधिक व्यय कदापि न किया जाय और न ही अनुमोदित आगणन में इंगित कार्य एवं मात्रा से अधिक कार्य किया जाय।
- ix. वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-847/XXVII(1)/2016 दिनांक 26 जुलाई, 2016 में दिये गये निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।
- x. वाहन क्रय हेतु कोई व्यय करने से पूर्व राज्य सरकार की नई वाहन नीति के अन्तर्गत ही सुविचारित निर्णय लिया जाय एवं नये वाहन क्रय करने से पूर्व प्रत्येक प्रकरण पर वित्त विभाग के माध्यम से मा० राज्यपाल जी का अनुमोदन प्राप्त किया जायेगा।
- xi. किसी भी शासकीय व्यय हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकार प्रतिनिधायन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियमों, शासनादेशों आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- xii. यह आदेश वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-847/XXVII(1)/2016 दिनांक 26 जुलाई, 2016 में दिये गये दिशा-निर्देशों के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

3- वित्त अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या-183/XXVII(1)/2012 दिनांक 28.03.2012 तथा तदक्रम में समय-समय पर निर्गत अन्य आदेशों के अधीन दिये गये निर्देशों के क्रम में सॉफ्टवेयर से किये गये बजट आवंटन सम्बन्धी आवंटन प्रपत्र की प्रति संलग्न कर अग्रेतर कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

संलग्न : उक्तवत।

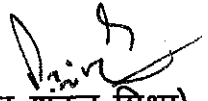
भवदीय,



(डॉ० पंकज कुमार पाण्डेय)
अपर सचिव।

सं०- 601 /XXVIII(2)/2016- 02(Budget)/2016 तददिनांक।
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड माजरा देहरादून।
2. आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड।
3. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
4. निदेशक, चिकित्सा शिक्षा उत्तराखण्ड देहरादून।
5. निदेशक, कोषागार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
6. संबंधित वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी।
7. प्राचार्य, राजकीय मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी।
8. प्रधानाचार्य, स्टेट कॉलेज ऑफ नर्सिंग, देहरादून।
9. प्रधानाचार्य, स्टेट स्कूल ऑफ नर्सिंग, देहरादून।
10. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 11. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(शिव शंकर मिश्रा)
अनु सचिव।